卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः । आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम् ।
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् । वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ।

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 28 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦4 नवम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

खाई में गिरी बस, 36 की मौत

मर्चूला के पास हुआ दर्दनाक हादसा, कई घायलों की हालत नाजुक

रामनगर/अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद के सल्ट क्षेत्र अंतर्गत गौलीखाल से रामनगर जा रही गढ़वाल मोटरर्स यूनियन लिमिटेड की बस मर्चूला के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गयी। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मौके पर पुलिस एसडीआरएफ की टीम और ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव कार्य चलाया । घायलों को रामनगर और आस पास के चिकित्सालयों में भेजा गया। रामनगर से कई गंभीर घायलों को हैलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर ऋषिकेश और दिल्ली भेजा गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह नैनी डांडा गौलिखाल से रामनगर जा रही बस के सल्ट के कुपी क्षेत्र में मरचूला पहुंचते ही अचानक चालक ने बस से नियत्रंण खो दिया। ढ़वाल मोटरर्स यूनियन लिमिटेड की अनियंत्रित बस 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। बस अनियंत्रित होते ही सवार लोगों की चीख पुकार मच गई। गीत जागीर नदी के किनारे गिरी बस में 55 से अधिक यात्री सवार थे जिनमें से 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हैं। बस को रामनगर जाना था। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुयी है। बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। हादसे के बाद कुछ यात्री खुद ही बस से बाहर निकल आए। कुछ लोग छिटक कर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। घटना की जानकारी के बाद कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, आईजी कुमाऊं नीलेश आनंद भरणे एवं अल्मोड़ा के डीएम आलोक पांडे रामनगर राजकीय अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों का हाल जाना और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी हासिल की । नैनीताल के सीएमओ डॉ हरीश पंत ने भी रामनगर पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि बस दुर्घटना के 27 घायलों को रामनगर लाया गया है। जबकि आठ की मौत हो चुकी थी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन घायलों को उपचार के लिए ऋषिकेश एम्स हॉस्पिटल रामनगर से एयर एंबुलेंस के माध्यम से भेजा गया जबकि तीन घायलों को 108 के द्वारा उपचार के लिए सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी रेफर किया गया है वही रामनगर विध ायक दीवान सिंह बिष्ट ने भी अस्पताल पहुंचकर घरेलू एवं उनके परिजनों से जानकारी जुटाते (शेष पृष्ठ सात पर)

40 सीटर बस में सवार थे 55 से अधिक यात्री

रामनगर। हादसे की शिकार हुई बस में अधिकांश लोग दिवाली मनाकर वापस लौट रहे थे। बताया जाता है बस यात्रियों से खचाखच भरी थी। बस 40 सीटर थी। जबकि बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। सड़क हादसे के बाद कुछ यात्री खुद ही बस से बाहर निकल आए। कुछ लोग छिटककर नीचे गिर गए। घायलों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। आस पास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में घटना स्थल पर पहुंचे और उन्हें पुलिस और एसडीआरएफ की टीम के साथ राहत और बचाव कार्यो ममें सहयोग किया।

घायलों की मदद के लिए जुटे लोग

रामनगर। बस हादसे की घायलों की खबर सुनकर रामनगर सरकारी अस्पताल में घायलों की मदद के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया। हादसे के बाद कई घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से राजकीय अस्पताल लाया गया। यहां करीब दो दर्जन से अधिक घायलों को लाया गया जिनमें से सात ने दम तोड़ दिया। कई घायलों की हालत नाजुक बनी थी, जिन्हें रैफर कर दिया गया। इस बीच घायलों की जान बचाने के लिए कई लोगों ने रक्तदान भी दिया। एबीवीपी सहित कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया। साथ ही घायलों को हर तरह से मदद के लिए भी लोग तत्पर रहे। घायलों और तीमारदारों के भोजन आदि की व्यवस्था में भी कई लोग जुटे रहे।

सीएम ने लिया एक्शन, एआरटीओ निलंबित

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए। दर्दनाक बस हादसे पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मामले में पौड़ी और अल्मोड़ा क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित कर दिया है। साथ ही मृतकों के परिजनों को चार चार लाख और घायलों को एक एक लाख रूपये की सहायता देने की घोषणा की है। घटना की सूचना मिलने के बाद सीएम धामी ने जिला प्रशासन को तेजी के साथ राहत एवं बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए । सीएम धामी ने कहा कि घटनास्थल पर स्थानीय प्रशासन एवं एसडीआरएफ की टीमें घायलों को निकालकर उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचाने हेतु तेजी से कार्य कर रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ध ामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के आदेश भी दिये। सीएम ने आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए हैं।

गंभीर घायलों को किया एयरलिफ्ट

रामनगर। सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद कई गंभीर घायलों को रामनगर से एयरलिफ्ट किया गया। हादसे के बाद कई घायल रामनगर लाये गये थे। घायलों में से कई यात्रियों की हालत नाजुक थी, जिन्हें एमबीपीजी कालेज में बनाये गये हैलीपैड से ऋषिकेश के लिए एयरलिफ्ट किया गया। बताया जा रहा है कि कुछ घायलों को दिल्ली रैफर किया गया है।

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

दुकान में भड़की आग, लाखों की क्षति

सितारगंज (उद संवाददाता)। शहर के जेल कैंप रोड प्राचीन भूमिया देवी मंदिर के सामने सिटी इलेक्ट्रॉनिक की पहुंचने और तकनीकी खराबी के कारण आग की लपटें फैल गई। पड़ोसियों की सूचना पर सफाई नायक विनय कुमार अग्निशमन कर्मियों की मदद से आग को फैलने से रुकवाया। दिवाली के त्यौहार में अधिक बिक्री की लालसा प्रत्येक

दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग से दुकान में रखा लाखों रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान चलकर नष्ट हो गया। घटनास्थल पर दमकल वाहनों के देरी से नगर पालिका से पानी का टैंक लेकर मौके पर पहुंचे। बाल्टियों से पानी की बौछार की गई। कोतवाल प्रकाश दानू ने नानकमत्ता मेले से दमकल वाहन बुलाकर व्यापार से जुड़े दुकानदार को होती हैं। इस कारण दुकानदार दुकानों में क्षमता से अधि क सामान रखते हैं। जो व्यापार के लिहाज से स्वाभाविक है। (शेष पृष्ठ सात पर)

खाई में गिरा ट्रक एक की मौत, चार घायल

देहरादून (उद संवाददाता)। जनपद टिहरी के थाना नरेंद्र नगर क्षेत्रान्तर्गत प्लास्डा बायपास रोड एक ट्रक के ब्रेक फेल हो गये जिस कारण ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक में सवार परिचालक की मौत हो गयी जबकि ट्रक में सवार ड्राईवर सहित एक महिला और दो बच्चों ने कूदकर जान बचाई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची एसडीआएफ टीम और पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार सोमवार तड़के लगभग 3 बजे जिला नियंत्रण कक्ष, (शेष पृष्ठ सात पर)

तीर्थयात्रियों ने तोड़ा रिकॉर्ड, प्रशासन रहा मुस्तैद

इस वर्ष गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में कुल 1530028 तीर्थयात्रियों का पदार्पण हुआ

उत्तरकाशी(उद संवाददता)। विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट बंद होते ही उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा का वर्तमान सत्र सकुशल संपन्न हो गया है। इस साल का यात्राकाल पिछले साल की तुलना में तीस दिन कम होने के बावजूद इन दोनों धामों में इस बार श्रद्धालुओं की दैनिक औसत संख्या 713 बढ़ी है। समान अवधि की तुलना करने पर भी इस बार दोनों धामों में आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में लगभग डेढ़ लाख की वृद्धि हुई है। गत वर्ष 22 अप्रैल 2023 को कपाटोद्घाटन के बाद गंगोत्री धाम के कपाट 14 नवंबर 2023 को और यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवंबर 2023 को बंद हुए थे। इस प्रकार गत वर्ष गंगोत्री में कुल 207 दिन और यमुनोत्री में 208 दिन की यात्रा अवधि रही। इस बार 10 मई 2024 को कपाट खुलने के बाद 177 दिन की अवधि के बाद गंगोत्री धाम के कपाट गत दिन बंद हुए हैं और आज 178 दिन बाद यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस प्रकार पिछले साल यात्रा की अवधि इस बार से तीस दिन अधिक थी। इस वर्ष गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में कुल 1530028 तीर्थयात्रियों का पदार्पण हुआ और इन दोनों धामों में यात्रियों का दैनिक औसत 8620 रहा है। जबकि गत वर्ष 30 दिन अधिक अवधि के यात्राकाल में इन दोनों धामों में कुल 1640701 श्रद्धालुओं का आगमन हुआ था। यानि प्रतिदिन औसतन 7907 तीर्थयात्रियों की आमद हुई थी। इस प्रकार इस साल जिले में प्रतिदिन औसतन 713 यात्री अधिक आए हैं। इस वर्ष की

कपाटोद्घाटन की तिथि 10 मई से लेकर कपाटबंदी की तिथि 2/3 नवंबर तक पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 149914 यात्री अधिक पहुंचे हैं। पिछले साल 10 मई से लेकर 2/3 नवंबर तक दोनों धाम में कुल 1380114 यात्री आए थे। गंगोत्री धाम में इस बार 815273 तथा यमुनोत्री धाम में 714755 श्रद्धालुओं का पदार्पण हुआ है। जबकि पिछले साल इसी दौरान गंगोत्री में 764394 और यमुनोत्री में 615720 तीर्थयात्री आए थे। इस प्रकार पिछले साल की तुलना में समान अवधि में गंगोत्री में इस बार 100518 तथा यमुनोत्री में 99035 अधिक तीर्थयात्री पहुंचे।चारधाम यात्रा के सुचारू, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के फलस्वरूप इस बार उत्तरकाशी जिले में स्थित दोनों धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। शुरूआती दौर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने के कारण सामने आई चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करते हुए प्रशासन द्वारा यात्रा का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। जिसके चलते इस बार अधिक यात्री दर्शन को पहुंचे और यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। मानसून काल में सड़कों को सुचारू बनाए रखने के लिए संवेदनशील जगहों पर बड़ी संख्या में मशीनों व अन्य संसाधनों की तैनाती करने के फलस्वरूप इस बार यात्रा बाधित नहीं हुई। प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं और सुरक्षा को प्रमुखता दिए जाने के कारण यात्रा मार्गों पर दुर्घटनाओं की संख्या भी इस बार काफी कम रही और कोई भी बड़ा हादसा नहीं हुआ। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिले में चारधाम यात्रा को सकुशल व सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विभिन्न विभागों व संगठनों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही मंदिर समिति के पदाधिकारियों, तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय नागरिकों, यात्रा व्यवसायों से जुड़े लोगों, घोड़ा-खच्चर व डंडी-कंडी संचालकों, होटल, होम स्टे व रेस्टोंरेट संचालकों, आश्रमों व भंडारों के व्यवस्थापकों, परिवहन सेवा प्रदाताओं, सुरक्षा व्यवस्था व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्मिकों, मीडियाकर्मियों सहित तमाम लोगों द्वारा प्रदान किए गए सहयोग हेतु आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि आगामी चारधाम यात्रा को और अधिक सुगम, सुरक्षित व सुव्यवस्थित ढंग से संपादित करने के लिए यात्रा-व्यवस्था से जुड़े सभी लोगों को प्रतिबद्धता से प्रयासरत रहना होगा और अगली यात्रा की तैयारियों में अभी से जुटना होगा।

बदरीनाथ धाम में अब तक 12 लाख 80 हजार से अधिक तीर्थयात्री कर चुके है दर्शन

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के लिए अभी डेढ़ सप्ताह बाकी है। बदरीनाथ धाम में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन पांच हजार से अधिक होने के चलते सीजन के अंतिम चरण में खासी रौनक है। यही कारण है कि ठंड बढ़ने के साथ अमूमन व्यापारी बदरीनाथ से व्यापार समेट कर लौट आते थे लेकिन इस बदरीनाथ धाम व माणा में व्यापारिक प्रतिष्ठान होटल, होम स्टे सुचारु होने के साथ लोग वहीं जमे हुए हैं। बदरीनाथ धाम में इस वर्ष अब तक कुल 12 लाख 80 हजार से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। देश के प्रथम गांव माणा में तीर्थयात्रियों की भीड़ लगी हुई है। इस यात्रा सीजन में श्राद्ध पक्ष से ही यात्रियों की संख्या में हुई बढोत्तरी अभी भी जारी है । स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्रा के अंतिम चरण में ठंड बढ़ने के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या भी घट जाती थी ऐसे में कई होटल, होम स्टे व माणा में भी जनजाति के लोग अपने शीतकालीन प्रवासों की ओर लौट आते थे लेकिन इस बार अंतिम चरण में भी यात्रियों की भीड़ से स्थानीय कारोबारी डटे हुए हैं। बदरीनाथ धाम में प्रसाद का कारोबार करने वाले परमानंद ममगाई का कहना है कि यात्रियों की संख्या इस बार यात्रा के अंतिम चरण में भी यात्रा निरंतर बनी हुई है यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि ठंड होने के चलते अधिकत्तर यात्री दर्शन कर उसी दिन वापस लौट रहे हैं। यात्रियों के माणा, सहित अन्य तीर्थस्थलों पर जाने से कारोबारियों को भी खासा मुनाफा हुआ है। मंदिर समिति के सीईओ विजय प्रसाद थपलियाल का कहना है कि यात्री व्यवस्थाओं को लेकर मंदिर समिति द्वारा व्यवस्थाएं सुचारु हैं। साथ ही ठंड को देखते हुए नगर पंचायत द्वारा अलावा भी जलाए जा रहे हैं। यात्री दर्शनों के बाद देश के प्रथम गांव माणा सहित अन्य तीर्थस्थलों को देखने जा रहे हैं जिससे बदरीश पुरी व माणा में रौनक है।

अंतिम चरण में यात्रियों की भीड़ से स्थानीय कारोबारी डटे हुए हैं

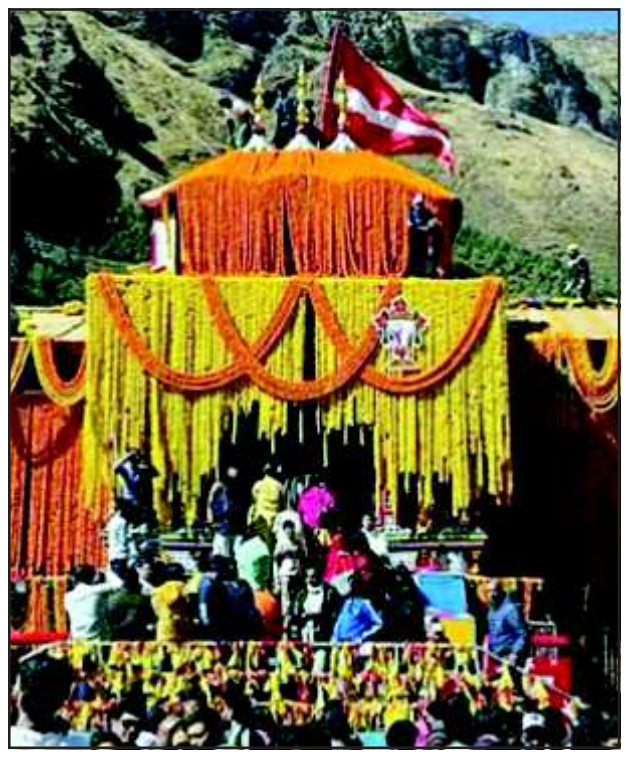

बदरीनाथ धाम पहुंचे कैलाश विजयवर्गीय

गोपेश्वर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व मध्य प्रदेश के नगरीय विकास आवास एवं संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को बदरीनाथ धाम पहुंचकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने भगवान बदरी विशाल की पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। रविवार को बदरीनाथ धाम पहुंचे भाजपा नेता विजयवर्गीय का हेलीपैड पर बदरी- केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने फूल मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने बदरीनाथ मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने बदरीनाथ मंदिर परिसर स्थित अन्य मंदिरों में भी दर्शन व पूजा-अर्चना की।

चारधाम क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर पड़ा गंभीर दुष्प्रभाव : हरदा

केदारनाथ उपचुनाव में पूर्व सीएम हरीश रावत 5 नवंबर से करेंगे प्रचार

देहरादून(उद संवादाता)। उत्तरखंड के पूर्व सीएम एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने केदारनाथ उपचुनाव में भाजपा को हर हाल में पराजित करने का संकल्प लेते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि हमें हर हालात में श्री केदारनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त कर उपचुनाव जीतना है। हमें सिद्ध करना है कि हमने आपदा के वक्त में केदारनाथ क्षेत्र में श्रेष्ठ पुनर्निर्माण व पुनर्वास का काम किया। हमें सिद्ध करना है कि भाजपा सरकार द्वारा लाया गया हमारे तीर्थ स्थानों के सरकारी नियंत्रण के लिए बनाया गया कानून गलत था और हमने उसका सही विरोध किया। हमें सिद्ध करना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हक हक-हकूक धारियों, तीर्थ पुरोहितों के अधिकारों को जिसमें केदारनाथ और बद्रीनाथ क्षेत्र में आवासों को बनाने का अधिकार भी उनका था उसको छीना है। हमें सिद्ध करना है कि यह चुनाव जीत कर कि भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार ने इस साल चार धाम यात्रा का इस प्रकार से कूसंचालन किया कि

उससे सारे गढ़वाल और चारधाम क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ा है। हमको यह चुनाव जीत कर यह सिद्ध करना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने केवल तीर्थ पुरोहितों का ही मान हनन नहीं किया है बल्कि ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य जी की अवमानना करते हुए भी सार्वजनिक बयान दिये हैं। हमें एक उदाहरण स्थापित करना है कि दूसरी कोई सरकार या मुख्यमंत्री ऐसी गलती न करे कि श्री केदारनाथ जी को दान किया हुआ सोना तो गायब हो जाय और उसके स्थान पर सोने का पाउडर छड़क ने दिया जाए और श्री केदार की शिला दिल्ली भेज कर दिल्ली में वैकल्पिक धाम की स्थापना की जाए और हमारी बेटियों की जिसमें दलित बेटियां भी सम्मिलित हैं उनके साथ जो दुष्कृत्य हुए हैं उससे उत्तराखंड आक्रोशित है, इसलिए कांग्रेस को जीतना है और भाजपा को पराजित करना है और मैंने इसी संकल्प को लेकर तय किया है कि 5 नवंबर से केदारनाथ क्षेत्र में कुछ समय बिताऊंगा। जय श्री केदार। वहीं एक अन्य पोस्ट में पूर्व सीएम ने कहा कि यह नवंबर 2024 का महीना बड़ा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। अमेरिका क्या वास्तव में महान है? यह सिद्ध होगा यदि कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी जाती हैं। यह श्वेत है या अश्वेत है, इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि अमेरिका जैसे लोकतंत्र में वह पहली महिला होंगी जो राष्ट्रपति के पद पर विराजमान होंगी। केरल के वायनाड से श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा का लोकसभा में जीतना, रण क्षेत्र में राम के साथ लक्ष्मण की उपस्थिति के समान होगा। देश की लोकतांत्रिक शक्तियों को संवैधानिक शक्तियों को उससे अब एक अपरिचित शक्ति प्राप्त होगी और उत्तराखंड के लिए भी महत्वपूर्ण है। श्री केदारनाथ जी का आशीर्वाद और वहां की जनता का आशीर्वाद डंदवर टूंज के साथ और कांग्रेस के साथ जुड़ता है तो उत्तराखंड के अंदर सरकार की विफलताओं के खिलाफ एक सशक्त विपक्ष उभर कर के सामने आयेगा और मनोज रावत की उपस्थिति विधानसभा में केदारियत के साथ उत्तराखंडियत को भी शक्ति देगी। बड़ी उत्सुकता से हम सबको इस महीने होने वाले चुनावों के नतीजों की प्रतीक्षा रहेगी।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ किया मौन व्रत

देहरादून। पूर्व सीएम हरीश रावत ने रविवार को बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ सांकेतिक मौन व्रत करते हुए कहा कि बांग्लादेश में इस समय हमारे अल्पसंख्यक भाई-बहन जिनमें प्रमुखत: हिंदू , बौद्ध , ईसाई अल्पसंख्यक सम्मिलित हैं, वह अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। हिंदुओं को विशेष तौर पर लक्ष्य बनाकर अत्याचार किया जा रहा है। कुछ हत्याएं हुई हैं, व्यवसाय, प्रतिष्ठान लूटे जा रहे हैं और बलपूर्वक बंद किए जा रहे हैं, धार्मिक स्थलों पर तोड़-फोड़ की जा रही है। प्रतिबंधित संगठन जमाती इस्लामी सरकार और छात्रों की आड़ में यह सब अत्याचार कर रहा है और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं, अल्पसंख्यकों और राजनैतिक विरोधियों में भय का वातारण पैदा किया जा रहा है। बांग्लादेश जिसके निर्माण में भारत का अभूतपूर्व योगदान है, जो सर्व-धर्म समभाव के आधार पर खड़ा संवैधानिक लोकतंत्र था उसे कट्टरपंथी पाकिस्तान परख ताकतों ने बर्बाद करने की ठान ली है। बांग्लादेश में सामाजिक और धार्मिक सद्भाव और सहिष्णुता को नष्ट करने का संगठित प्रयास हो रहा है, यह हमारे लिए चिंता का विषय है। इस सब घटनाक्रम से मैं बहुत दु: खी हूं, आज भैयादूज का त्यौहार मनाने से पहले मैंने अपने देहरादून आवास पर बांग्लादेश के घटनाक्रम पर अपना आक्रोश प्रकट 1 घंटे का मौन व्रत रख कर किया और बांग्लादेश में लोकतंत्र और सर्व-धर्म समभाव की ताकतों को शक्ति मिले इसके लिए दीप जलाकर भगवान से प्रार्थना की।

इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान, जहाँ विश्वास है विश्वास का साथ।
हर ख्वाब को साकार करें, गुरु माँ के साथ

23% कैश बैक

अब LED TV मात्र ₹990 की मासिक किस्त में घर लायें

50% तक की छूट

1 आप फायनांस कराएं किस्त हम देंगे

आज का आज !
सबसे तेज डिलीवरी एवं इंस्टॉलेशन

0 ब्याजमुक्त फाइनेंस पर

मनपसंद उत्पाद घर ले जाएं शेष राशि आसान ब्याज मुक्त मासिक किस्तों पर सुरक्षा

BAJAJ FINSERV · HDB FINANCIAL SERVICES · HDFC BANK · SAMSUNG Finance+

गुरू मां उत्पादों पर अतिरिक्त वारंटी @290/- से

पुराना लाएं नया ले जाएं
पुराने की अच्छी कीमत पर

— सभी प्रतिष्ठित ब्रांड एक ही छत के नीचे उपलब्ध —

SAMSUNG · Whirlpool · SONY · IFB · VOLTAS · BOSCH · Haier · DAIKIN · MITSUBISHI ELECTRIC · AMSTRAD · SANSUI · PHILIPS · dyson · FABER · BLUE STAR · USHA · TOMASHI · Symphony · EUREKA FORBES · KENT · DELL · hp · JBL

जैसे आपकी ख्वाहिशें, वैसी हमारी सेवाएं, सपनों को साकार करें

गुरू मां GURU MAA ELECTRONICS

-रुद्रपुर-
काशीपुर बाईपास (9690282777, 9756233166)
सिविल लाईन्स (9927882338), सोनी सेन्टर (9917170230)

-काशीपुर-
रामनगर रोड (8791989500)
चीमा चौराहा(9927813555

RUDRAPUR | HALDWANI | KASHIPUR | GADARPUR | MORADABAD | KICHHA | PITHORAGARH | LALKUAN | HARIDWAR

छठ पूजा की तैयारियां पूर्ण: व्रतधारी महिलाओं के लिये सज गई छठ वेदी

7 नवम्बर की सायं अस्त होते सूर्य को देंगी अर्घ्य

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला मुख्यालय में अनेक स्थानों पर छठ पूजा की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। सभी छठ पूजा स्थालों में पूजा वेदी को भव्य रूप से सजाया गया है। वही आयोजन स्थलों को भी आकर्षक रोशनी एवं फूल मालाओं द्वारा भी सुन्दर रूप में सजाया गया है। जो देखते ही बनता है। पूर्वांचल समाज का प्रमुख पर्व छठ पूजा कल 5 नवम्बर को नहाय खाय के साथ प्रारम्भ होगा। पूरे दिन महिलायें व्रत रखेंगी। शाम को मीठी खीर खाकर व्रत तोड़ेंगी। छह नवम्बर को खरना का आयोजन किया जायेगा। जिसमें व्रती महिलायें मिट्टी के चूल्हे बनायेंगी। आगामी 7 नवम्बर दिन गुरूवार को सायं अस्त होते सूर्य को पानी में खड़े होकर व्रतधारी महिलायें अर्घ्य देंगी तथा छठ वेदी की विधि विधान से पूजा अर्चना करेंगी। नहाय खाये के साथ महिलाओं ने खरना सांठी के चावल की खीर खाकर अपना व्रत का प्रारम्भ करेंगी। रविन्द्र नगर स्थित छठ घाट में भी छठ पूजा महोत्सव पूर्वांचल समाज समिति द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है । 7 नवम्बर की सायं 4 बजे से संध्या अर्घ्य से महोत्सव का शुभारंम्भ किया जायेगा। जिसमें पूर्वांचल समाज की हजारों की संख्या में व्रतधारी महिलायें सायं अस्त होते सूर्य को पानी में खड़े होकर अर्घ्य देंगी तथा छठ वेदी की विधि विधान से पूजा अर्चना करेंगी। जिसके पश्चात शाम सात बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें देर रात्रि तक जारी रहेंगें। 8 नवम्बर को प्रात: 6 बजे सूर्योदय अर्घ देखकर व्रतधारी महिलायें छठ पूजा व्रत का पारायण करेंगी। जिसके पश्चात प्रसाद वितरित किया जायेगा। पूर्वांचल समाज समिति के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश कुमार, सचिव एड. दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीकान्त शर्मा, कार्यक्रम संयोजक/मीडिया प्रभारी दुर्गेश मौर्य, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी तथा संयुक्त सचिव नन्दलाल शर्मा ने बताया कि महोत्सव को लेकर पूर्वाचत समाज के लोगो में भारी उत्साह हैं। वहीं अटरिया रोड़, तीन पानी डाम ,फुलसुंगा फुल सुंगी, शुक्ला फार्म तीन पानी, बगवाड़ा, आदि छठ पूजा स्थलों में भी छठ पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा । छठ पूजा को लेकर पूर्वांचल समाज के लोगों द्वारा पूजा सामग्री की बाजार में खरीददारी की जा रही हैं । महिलायें फल, फूल, सब्जी, गन्ना, टोकरी व नारियल आदि पूजा सामग्री खरीद रही हैं।

रूद्रपुर में रविंद्र नगर स्थित छट पूजा घाट में तैयारियों में जुटे समिति के लोग।

किसानों के फर्जी दस्तावेज से 36 करोड़ का ऋण हड़पने वाले शुगर मिल के दो मैनेजर गिरफ्तार

रूड़की। किसानों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ों के ऋण धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे इकबालपुर शुगर मिल के तत्कालीन केन मैनेजर और एकाउंट मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि पंजाब नेशनल बैंक के तत्कालीन मैनेजर और अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। झबरेड़ा थाना क्षेत्र में इकबालपुर शुगर मिल के तत्कालीन केन मैनेजर पवन ढींगरा और एकाउंट मैनेजर उमेश शर्मा, पंजाब नेशनल बैंक की इकबालपुर शाखा के तत्कालीन बैंक मैनेजर और अन्य आरोपियों ने कई किसानों के फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। इसके बाद सभी ने किसानों के नाम पर करीब 36.50 करोड़ का बैंक से ऋण लिया था। बताया जा रहा है कि

कई सालों तक खेल चलता रहा। इस बीच बैंक की ओर से किसानों के घरों पर ऋण संबंधित नोटिस भेजे गए। नोटिस आने पर किसानों के होश उड़ गए थे। इसके बाद सीबीसीआईडी ने केस में संबंधित पांच लोगों को नोटिस भी जारी किए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला था। इस पर अब पुलिस और सीबीसीआईडी ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को तत्कालीन केन मैनेजर और एकाउंट मैनेजर को गिरफ्तार किया है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि केन मैनेजर पवन ढींगरा और एकाउंट मैनेजर उमेश शर्मा को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। जबकि बैंक मैनेजर समेत तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, इकबालपुर शुगर मिल के तत्कालीन केन मैनेजर पवन ढींगरा की वर्तमान में लक्सर शुगर मिल में केन मैनेजर के पद पर तैनाती है। जबकि तत्कालीन एकाउंट मैनेजर उमेश शर्मा की वर्तमान में शाकुंभरी शुगर मिल बेहट में एकाउंट मैनेजर के पद पर तैनाती है।

लटूरिया आश्रम में भक्तिभाव से मना गोवर्धन पूजा व अन्नकूट पर्व

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। श्री लटूरिया महाराज आश्रम के राधाकृष्ण मन्दिर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट पर्व भक्तिभाव और आनन्द के साथ मनाया गया। धनतेरस के दिन से ही आश्रम परिसर रंग बिरंगी झालरों से जगमग हो रहा था। गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की प्रतिमा बनाई और उसे खोल बतासे व फूलों से आकर्षक रूप में सजाया। मंत्रोच्चारण के साथ मन्दिर के विद्वान पंडितों ने विधि वत पूजा सम्पन्न कराई। मुख्य जजमान रहे पूर्व आयकर आयुक्त डॉ. सतीश चन्द्र

अग्रवाल एवं उनकी पत्नी, कार्यक्रम में गोवर्धन और अन्नकूट सम्बन्ध स्तुतियाँ गाई गई। श्री गोवर्धन महाराज- महाराज, तेरे माथे मुकुट बिराज रहयो तो पे पान चढ़े तो दे फूल चढ़े, तो पे चढ़े दूध की धार ओ धार श्रीगोवर्धन महाराजङ्घ गीत पर भक्तों ने आनन्द उल्लास सहित नृत्य किया। यह पर्व प्रकृति के सरंक्षण एवं गौ वंश के सम्बर्धन का संदेश देता है। अन्नकूट के उपलक्ष्य में छप्पन भोग लगाया गया। आरती के बाद भक्तों को पूरी, कचौड़ी, मालपुरे और कई सब्जियों के मिश्रण से बनी विशेष सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में राजेश अग्रवाल, प्रेम गुप्ता, विधिन गुप्ता, राजीव अग्रवाल, विनय विरमानी, नीरज प्रभात गर्ग, राधेश्याम, गिरीश केसरवानी भोला केसरवानी, संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

डीएम ने किया कौसानी चाय बागान का निरीक्षण

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल और मिनी स्विजरलेंड के नाम से विख्यात कौसानी और अल्मोड़ा –बागेश्वर जिले की सीमा पर स्थित पर्यटन नगरी को सुसज्जित, पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने और पर्यटकों को कौसानी में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जल्द पर्यटन विभाग और अन्य कार्यदाई संस्थाओं के साथ सभी नगरवासियों और पर्यटकों को आवश्यक सुविधाए मिले इसके लिए जिलाधिकारी द्वारा विशेष प्रयास किए जाएंगे। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने शनिवार को कौसानी सहित वहाँ स्थित चाय बागान का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया और कार्यरत कर्मियों से चाय उत्पादन के बारे में जानकारियां प्राप्त की। डीएम ने चाय बागान के लिए जाने वाले मार्ग को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। ताकि कौसानी आने वाले पर्यटक चाय बागान को भी देख सके। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार इको टूरिज्म को भी

बढ़ावा दे रही है। कौसानी में वर्ष भर पर्यटकों से गुलजार रहें इस दिशा में यहां की मूलभूत सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया जा रहा है। डीएम ने कहा कि कौसानी में पर्यटकों की आमद को देखते हुए वाहन पार्किंग का विस्तार किया गया है। जल्द ही यहां पर्यटकों के लिए नई वाहन पार्किंग की सुविधाएं मिल जाएगी। साथ ही बढ़ती आबादी को देखते हुए कौसानी में पेयजल की व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए नई पेयजल पम्पिंग योजना का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। डीएम ने गोवर्धन पूजा के दिन कौसानी का भ्रमण किया। उन्होंने चाय फैक्ट्री की भी जानकारी प्राप्त की। कहा क्षेत्र में कौसानी विश्व पटल पर अपना अलग महत्व रखता है। यहां हिमालय श्रंखलाओं के साक्षात दर्शन करने के साथ ही यहां की चाय की भी अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि यदि यहां की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होगी तो यहां पर्यटकों की संख्या में भी उत्तरोत्तर इजाफा होगा। और यहां स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। निश्चित ही आने वाले समय में इसका लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। कहा कि पर्यटन क्षेत्र में कौसानी को सुविधा सम्पन्न युक्त करने के लिए कोई कोरकसर नहीं की जाएगी।

चेक बाउंस मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस द्वारा चेक बाउंस के प्रकरण में एन बी वारंट के तहत एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरेंद्र सिंह पुत्र शिवाजी सिंह निवासी इंदरपुर द्वारा भुगतान के लिए चौक दिया गया था जो कि बाउंस हो गया था जिसका माननीय न्यायालय वाद चल रहा है। जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा चेक दाता के विरुद्ध वारंट जारी किया गया था जो कि नॉन वेलेबल वारंट था। पुलिस द्वारा वारंट की तामिल करते हुए आज वारंटी को गिरफ्तार कर भेज जेल भेज दिया।

गैर लेआउट अप्रूव कॉलोनियों का फैलता जाल

अवैध प्लाटिंग एवं भवनों के निर्माण में अभियंता मालामाल

■ मनोज श्रीवास्तव

काशीपुर। प्राधिकरण के इंजीनियर शहर के आसपास नियम विपरीत तरीके से तैयार हो रही अवैध कॉलोनियों/भवनों पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हुए। कॉलोनाइजर्स जमीन के बड़े-बड़े टुकड़ों को खरीद कर उसमें अवैध प्लाटिंग करते हुए उसे धड़ल्ले से बेचने का काम कर रहे हैं। अधिकांश कॉलोनियों का लेआउट अप्रूव नहीं है और ना ही राजस्व के दस्तावेजों में इसे गैर उपजाऊ कराया गया है। विभागीय अभियंताओं एवं कॉलोनाइजर्स के बीच मजबूत सांठ-गांठ के चर्चे हैं। शहर के चारों ओर सैकड़ो स्थानों पर अवैध कॉलोनियों का जाल बिछ चुका है। हकीकत से अनजान अधिकांश लोग इन्हीं अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीद कर मकान बनवा रहे हैं। कुल मिलाकर हालात कुछ यूं है कि अभी

पिछले दिनों जहां प्राधिकरण के तत्कालीन उपाध्यक्ष ने टीम के साथ मिलकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही किया था ऐसे तमाम स्थानों पर भी निर्माण कार्य की सूचना है। काशीपुर में भूमाफियाओं का सर्वाधिक आतंक इन दोनों अलीगंज रोड एवं जसपुर रोड एवं ढेला नदी के दोनों किनारों के आसपास है। अलीगंज रोड पर अलीगंज अड्डे से पैगा पुलिस चौकी तक हालात बद से बदतर हैं। इस मार्ग पर भूमाफियाओं का आतंक लोगों के सिर चढ़कर कर बोल रहा है। इस मार्ग पर दर्जनों स्थानों पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कालोनियों को काटकर उसे तेजी से बेचने का काम किया जा रहा है। इसमें ग्राम बांसखेड़ा से आगे कुछ कालोनियां जिला पंचायत के दायरे में आती है। इसी तरह फोरलेन के आसपास ग्राम बांसखेड़ा से सरवरखेड़ा तक अवैध कॉलोनियों का जाल फैला है। कॉलोनाइजर्स कार्यालय खोलकर प्लाटिंग और जमीन की खरीद फरोख्त में जुटे हैं। अलीगंज रोड पर गिन्नीखेड़ा में गणपति अपार्टमेंट के ठीक सामने 6:15 बीघा में मुरादाबाद का छत्रपाल सिंह नामक भू माफिया नियम विपरीत तरीके से प्लाटिंग कर जमीनों को मनवाने दाम पर बेच रहा है। मोबाइल फोन पर जब इस भू माफिया से संपर्क किया गया तो इसने बताया कि उक्त भूमि का कोई लेआउट आदि अप्रूव नहीं कराया गया है और ना ही इसकी 143 है। उसने साफ कहा कि उसका काम सिर्फ प्लाट बेचने का है बसावट होने पर बिजली पानी सड़क आदि की व्यवस्था संबंधित ग्राम प्रधान करेंगे। उसने यह भी बताया कि इन जमीनों की रजिस्ट्री ग्राम बांसखेड़ा निवासी एक व्यक्ति करेगा। इसी तरह गणपति अपार्टमेंट के समीप एक स्कूल के ठीक सामने भूमाफिया अवैध निर्माण में लिप्त बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि उसने रेलवे की जमीन को भी कब्जा रखा है।

कार्यवाही से दूरी बनाने के पीछे क्या है मजबूरी

काशीपुर। एक आर्किटेक्ट को सेटलमेंट कराने की जिम्मेदारी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक इसी के माध्यम से लेनदेन भी किया जा रहा है। नगर क्षेत्र में ऐसी सैकड़ो बिल्डिंग्स बनकर तैयार हो चुकी है जिनके नक्शे पास नहीं है। शहर तथा इसके आसपास प्राधिकरण के दायरे में नियम विपरीत तरीके से दर्जनों भवन निर्माणाधीन है लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं होता। शिकायत करने पर प्राधिकरण के अधिकारी नोटिस देकर कार्यवाही की औपचारिकता कर देते हैं। अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग को लेकर जूनियर इंजीनियर की छवि विवादित मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इनकी तैनाती के बाद से अवैध बिल्डिंगों की भरमार हो गई है। और तो और काशीपुर का जो क्षेत्र ग्रीन बेल्ट के दायरे में आता है यहां भी नियम कायदों को दरकिनार कर तमाम निर्माण कार्य लगातार जारी है।

दो भाईयों पर हमला,नगदी और चैन लूटी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विगत रात्रि निकटवर्ती ग्राम लालपुर में परिचित को मिठाई देने जा रहे दो भाईयों पर पहले से घात लगाकर बैठे कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और उनके पास से हजारों की नगदी और सोने की चैन लूटकर धमकी देते हुए फरार हो गये। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पवन मजूमदार पुत्र स्व० कैलाश निवासी लालपुर ने लिखी तहरीर में कहा है कि 2 नवम्बर को रात्रि वह अपने भाई मिथुन कुमार के साथ अपने परिचित

को मिठाई देने के लिए जा रहा था। रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे कुछ लोगों ने उन पर लोहे की रॉड से वार कर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे उसका एक पैर टूट गया। आरोप है हमलावर अवैध तमंचो से बार-बार हवा में फायर कर रहे थे। कुछ के हाथों में तलवारें थीं। भाई के हाथ का मॉस फट गया । शोर की आवाज सुनकर आये लोगों ने उनकी जान बचाई। हमलावरों ने उसका मोबाईल तोड़ दिया और 24000 रूपये नकद व एक सोने की चैन छीनकर धमकी देते हुए भाग गये । उसे अपनी जान का खतरा बना हुआ है। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किच्छा में ले जाया गया जहां से सुशीला तिवारी हॉस्पिटल हल्द्वानी में रेफर कर दिया गया।

शरदोत्सव मेला सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। विकास सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पारंपरिक चार दिवसीय 24वां शरदोत्सव मेला गत सायं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्तरांचली व फिल्म स्टार नाइट का आयोजन का शुभारंभ डॉ अनिल कपूर डब्बू राज्य मंत्री, दिनेश आर्य राज्य मंत्री, प्रताप सिंह बिष्ट जिला अध्यक्ष नैनीताल भाजपा, सुप्रीम कोर्ट दिल्ली भारत सरकार के एडवोकेट जनरल मनोज गोरकेला ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान कुमाऊं सांस्कृतिक समिति खुरपताल नैनीताल के विनोद कुमार द्वारा उत्तरांचल लोकगीत प्रस्तुत किए गए। दिया मेहता, रेनू मेहता, अंजलि धामी, हर्षिता रावत, आदि कलाकारों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। समिति के किशोर द्वारा मिमिक्री के साथ आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। लोक गायिका हंस देवी,कृष्ण कुमार, जगदीश उपाध्याय

संस्थापक अध्यक्ष एवं फिल्म निर्माता निर्देशक विक्की योगी ने कहा कि 6 नवंबर तक चार दिवसीय शरदोत्सव मेला हल्द्वानी सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेंगे। योगी ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर को जीवन्त रूप देने संस्कृति पर्यटन फिल्म का प्रचार प्रसार करने व स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्यों को लेकर मानव विकास सेवा संस्थान द्वारा विगत 23 वर्षों से आयोजित किया जाता आ रहा है। शरदोत्सव में जिला एवं नगर प्रशासन के सहयोग से सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के उत्पादन की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतो के कलाकारों द्वारा अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान समिति के संरक्षक जोगिंदर पाल सिंह रौतेला, कार्यकारी अध्यक्ष हिरदेश कुमार, प्रभारी स्वागत समिति माही महिमा नंदा, संयोजक जीएस रावत कौस्तुभ चंदोला,संयम मल्होत्रा दीपक कुमार , गिरीश चंदोला, लक्ष्मी फुलारा, सरोज बिष्ट,आशा रावत, सचिन टमटा कृष्ण कुमार रूम पूर्व प्रधान महेश जोशी आदि पदाधिकारी हैं समिति के पदाधिकारी थे।

प्रकाश पर्व की तैयारियों के लिए बनाई रूपरेखा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस एवं नगर प्रशासन की निगरानी एवं वीडियो ग्राफी के साथ गुरु नानक देव जी के प्रकाशर्व को लेकर गुरुद्वारा सिंघ सभा में बैठक आयोजित हुई। जिसमें गुरुपर्व की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। जिसमें संगत के सुझाव एवं संगत द्वारा अमरजीत सिंह बूंदी को गुरुपर्व की जिम्मेदारी सौंपी गई तथा गुरप्रीत सिंह प्रिंस को मंच संचालन एवं जगमीत सिंह मीती को जिम्मेदारी सौंपी गई। गौरतलब है कि गुरुद्वारा सिंघ सभा हल्द्वानी का आपसी विवाद परगना न्यायालय में विचाराधीन चल रहा है जिसमें परगना अधिकारी ने वादों को निपटने के लिए एवं दो पक्षों को आपसी समझौता के साथ चिट फंड सोसाइटी को निर्देशित कर वाद को निपटाने के संबंध में एवं

चुनाव कराने के लिए आदेश जारी कर एवं सदस्यता अभियान चलाए जाने को कार्यालय में प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन एक पक्ष द्वारा आरोप लगाने के बाद पुलिस एवं नगर प्रशासन द्वारा वीडियो ग्राफी कर मीटिंग करवाई गई और इस वीडियो को नगर प्रशासन एवं चिट फंड सोसाइटी को प्रेषित की जाएगी। ताकि अग्रमि करवाई अमल में लाई जा सके। शीघ्र ही मेंबरशिप करवाई की जाएगी तथा चुनाव प्रक्रिया शुरू किया जाना तय किया जाएगा

भाजपा नेता के आतंक से दहशत में बस्तीवासी

कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली में किया प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रीत बिहार क्षेत्र की एक बस्ती के लोग भाजपा नेता और उसके साथियों के आतंक से दशहत में हैं। बस्तीवासियों ने कोतवाली में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगायी है। आरोप है कि भाजपा नेता और उसके साथी आये दिन मोहल्ले में गुण्डागर्दी और महिलाओं के साथ बदसलूकी करते हैं और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। प्रीत विहार फेस 5 बरादरी रोड फाजलपुर महरौला गली नं.एक निवासी कई लोगों ने सोमवार को कोतवाली पहुंचकर भाजपा नेता और उसके साथियों की गुण्डई के खिलाफ प्रदर्शन किया और तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

बस्तीवासियों का कहना था कि मोहल्ले में एक भाजपा नेता और कुछ दबंग और आवारा किस्म के लोग आये दिन मोहल्ले में उत्पात मचाते हैं। लोगों के साथ गाली गलौच और राह चलती युवतियों और महिलाओं से छेड़छाड़ की जाती है। विरोध जताने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। जिसके चलते लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। कुछ को भाजपा का नेता बताने वाला व्यक्ति कहता है कि मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। बस्तीवासियों का कहना है कि उक्त भाजपा नेता और उसके साथियों से मोहल्लेवासियों को जान माल का खतरा बना हुआ है और लोगों में दहशत का माहौल है। आरोप है कि उक्त लोग अकसर तमंचों से लैस रहते हैं और कभी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। कोतवाली पहुंचे मोहल्लेवासियों ने मामले को लेकर कोतवाल भी बात की लेकिन कोतवाल ने डे अफसर से मिलने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया।

रूद्रपुर में गोल्ज्यू महाराज की संदेश यात्रा कल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।शैल भवन परिसर में स्थापित गोल्ज्यू मंदिर में ज्योतिषाचार्य पं.कैलाश चन्द्र तिवारी द्वारा विधि विधान से वेदी का पूजन कराया गया। ज्ञातव्य हो कि अपनी धरोहर संस्था के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोल्ज्यू महाराज की संदेश यात्रा कल 5 नवम्बर दिन मंगलवार को सायं 4 बजे शैल भवन परिसर में स्थापित गोल्ज्यू मंदिर में पहुंचेगी। सायं 6 बजे श्री गोल्ज्यू मंदिर में भजन कीर्तन व जागर का आयोजन होगा। वेदी पूजन के पश्चात शैल सांस्कृतिक समिति शैल परिषद के पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें श्री गोल्ज्यू संदेश यात्रा को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया और महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। शैल परिषद के अध्यक्ष गोपाल पटवाल ने आम जनमानस से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर न्याय के देवता श्री गोल्ज्यू

महाराज की संदेश यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। शैल परिषद के महामंत्री एवं अपनी धरोहर संस्था के प्रदेश महामंत्री एड.दिवाकर पांडे ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारी को सौंपी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की। उन्होंने जानकारी दी कि गोल्ज्यू संदेश यात्रा जो कि चपावत से प्रारम्भ होकर कल 5 नवम्बर को अपराह्न 4 बजे शैल भवन पहुंचेगी। जहां पर लोग न्याय के देवता श्री गोलू देवता का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने आम जनता से अपील की कि इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में आकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। वेदी पूजन कार्यक्रम व बैठक में शैल परिषद के अध्यक्ष गोपाल सिंह पटवाल, महामंत्री दिवाकर पाण्डे, कोषाध्यक्ष डीके दनाई, डा. एलएम उप्रेती, हरीश दनाई, सतीश लोहनी, कृष्ण चन्द्र मिश्रा, राजेन्द्र बलौदी, जगदीश जोशी, ईश्वर भट्ट, मुकुल उप्रेती, सुधा पटवाल, विनीता पाण्डे, आशा लोहनी, कमला जोशी, शोभा मिश्रा, रीता उप्रेती, पीएस मेहरा, लाल सिंह भण्डारी सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित थे

वाहन चोरों ने उड़ाई दो बाईकें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात वाहन चोरों ने अलग अलग स्थानों से दो मोटर साईकिलें चोरी कर लीं। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में जयवीर सिंह पुत्र राजपाल ने कहा है 28 सितम्बर की रात्रि लगभग 9 बजे अपनी मोटर साइकिल संख्या यूके 06वी 5134 जो कि जितेंद्र पुत्र राजपाल के नाम दर्ज है पर सवार होकर शिमला बहादुर में एक स्कूल के पास हो रहे जागरण में लाइट का काम करने गया था। उक्त मोटरसाइकिल उसने वही पर खड़ी की थी। कुछ देर बाद उसने देखा उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान पर नहीं थी और वह किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गयी थी। वहीं सिडकुल कर्मी गुलशन सिंह राणा ने कहा है कि उसने अपनी मोटर साईकिल संख्या यूके 06 एके 5347 को 21 अगस्त 2023 को वोल्टाज कम्पनी की पार्किंग में प्रात: 8 बजे खड़ी की थी। सायं 5 बजे ड्यूटी समाप्त कर जब वह बाहर पार्किंग में आया तो उसकी मोटर साईकिल वहां मौजूद नहीं थी। पुलिस ने दोनों मामलों की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

तापमान का असंतुलन

पिछले कई दशक से वैश्विक ताप में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। इसकी वजह से समूची दुनिया में गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं। मगर विडंबना है कि इस मसले पर ऐसा कुछ भी ठोस नहीं किया जा रहा, जिससे तापमान संतुलन की उम्मीद जगे। उल्टे अब मौसम में उथल-पुथल इस कदर होनी शुरू हो गई है कि जिन महीनों में ठंड की आहट मिलने लगती थी, उनमें तापमान चढ़ा हुआ रहने लगा है, जो आने वाले संकट का संकेत दे रहा है। मसलन, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, देश में इस वर्ष अक्टूबर का महीना सन 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा और औसत तापमान सामान्य से 1.23 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। यानी एक सौ चौबीस वर्षों के बाद पहली बार अक्टूबर के महीने में मौसम में गर्मी इतनी थी कि उसे सामान्य नहीं माना जा रहा है। अनुमान जताया जा रहा है कि नवंबर में भी अगले दो सप्ताह तक तापमान सामान्य से दो से पांच डिग्री ऊपर बना रहेगा। फिलहाल मौसम के उतार-चढ़ाव ने मौसम विज्ञानियों के सामने भी अध्ययन का नया फलक खोल दिया है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस बार पश्चिमी विक्षोभ के अभाव और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात सहित कई निम्न दबाव वाले क्षेत्रों के बनने से औसत न्यूनतम तापमान ज्यादा दर्ज किया गया। हाल के दशकों में वैश्विक ताप में बढ़ोतरी के लिए जिन कारकों की पहचान की गई है, उसका हल निकालने को लेकर सक्रियता तो दिखती है, मगर जमीनी हकीकत यह है कि जिन देशों को कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है, वहां इसमें कमी करने को लेकर कोई उत्सुकता नहीं दिखती। सारी जवाबदेही विकासशील देशों पर थोप दी जाती है। हालांकि यह समस्या केवल एक या कुछ देशों तक सीमित नहीं है। समूचा विश्व इससे प्रभावित है और मौसम की इस अनियमितता को सभी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। मौसम की अपनी गति होती है और उसमें समय-चक्र के मुताबिक तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लेकिन अगर वक्त रहते इस संकट से निपटने के उपाय नहीं किए गए तो इसकी मार को झेलना मुश्किल होता जाएगा।

डॉल्फिन मजदूरों का आमरण अनशन रहा जारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर डॉल्फिन के सात मजदूरों का गांधी पार्क में सोमवार को भी आमरण अनशन जारी रहा। अनशन स्थल पर विभिन्न मजदूर -किसान यूनियनों, सामाजिक संगठनों और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी अपना समर्थन व्यक्त करते हुए सामूहिक रूप से क्रमिक अनशन किया। ततपश्चात् जिलाधिकारी से मुलाकात करके उन्हें ज्ञापन सौंपा गया। वक्ताओं ने कहा कि डॉल्फिन कंपनी सिडकुल में बुनियादी श्रम कानूनों के हो रहे उल्लंघन के खिलाफ श्रमिक लम्बे समय से आंदोलित हैं। 4 महिला श्रमिकों सहित अन्य श्रमिक विगत 15 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। आमरण अनशन पर बैठी दो सगी बहन पुष्पा और प्रेमवती, कृष्णा देवी, आकाश, वैष्णो देवी, पिंकी गंगवार, देव कुमार, ललित

कुमार आदि का भारी उत्पीड़न किया गया।उन्होंने कहा कि डॉल्फिन कंपनी द्वारा बुनियादी श्रम कानूनों के उपरोक्त घोर करने के पश्चात् भी श्रम विभाग, जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार द्वारा कंपनी मालिक के विरुद्ध कोई भी कानूनी कार्यवाही ना करना अत्यंत चिंताजनक और आश्चर्यजनक है। वक्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि ऐसे में जिलाधिकारी को न्यायहित में अनशन कारियों की प्राण रक्षा हेतु तत्काल हस्तक्षेप करके उक्त समझौते के तहत सभी श्रमिकों की तत्काल कार्यबहाली करानी चाहिए। आज आमरण अनशन कारियों के समर्थन में क्रमिक अनशन में सावित्री, सतपाल ठुकराल, कुलवंत सिंह, जनार्दन सिंह, केपी गंगवार, दलजीत सिंह, बसंत बल्लभ गोस्वामी, दीपक सिंह, उदय सिंह, अनूप कुमार, महेश, शिवदेव सिंह,रविन्द्र कुमार, कैलाश भट्ट, रविन्दर कौर, पूजा,आदि बैठे। साथ में सैकड़ों की संख्या में श्रमिक उपस्थित थे। दो अनशनकारी पिंकी गंगवार और कृष्णा देवी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनगणना में पहली बार होगी मुस्लिम जातियों की गिनती ?

1931 में अंग्रेजी शासनकाल में हुई जातिवार जनगणना में 4,147 जातियां थीं, जबकि 2011 में यह संख्या बढ़कर 86.80 लाख से भी ज्यादा हो गई थी

जातिवारजनगणना होने की स्थिति में पहली बार देश में मुसलमानों की जातियों की भी गिनती की जाएगी। भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त इस लक्ष्यपूर्ति के लिए तैयारियों में जुटे हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 'मुसलमानों में जाति की बात आने पर कांग्रेस के मुंह पर ताला पड़ जाता है, लेकिन हिन्दू समाज की बात आते ही वह चर्चा जाति से करती है। क्योंकि वह जानती है कि जितना हिन्दू समाज बंटेगा ,उतना ही उसे राजनीतिक लाभ होगा।' मोदी के इस बयान को हिंदुओं की तरह मुसलमानों में भी जातियों की जनगणना कराए जाने के संकेत के रूप में देखा गया था। अब माना जा रहा है कि कोरोना महामारी और फिर लोकसभा चुनाव के कारण अटकी हुई 2021 की जनगणना 2025 में हो सकती है। हालांकि अभी तक केंद्र सरकार ने जनगणना के साथ जातिवार गिनती कराने का निर्णय नहीं लिया है, लेकिन विपक्ष की ओर से जातिवार जनगणना के लिए बढ़ते दबाव और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने के जारी प्रयास के चलते सरकार इसे कराने का फैसला ले सकती है। भाजपा और केंद्र सरकार दोनों की ओर से बार-बार कहा भी जा चुका है कि वह जातीय गणना के विरुद्ध नहीं है, किंतु इसका इस्तेमाल राजनीतिक लाभ लेने के लिए नहीं होना चाहिए। विपक्ष का ध्येय कुछ भी हो, लगता है अगली जनगणना में जातिवार गिनती संभवत: इसलिए करा ली जाएगी, जिससे विपक्ष का यह मुद्दा हमेशा के लिए खत्म हो जाए। महाराष्ट्र में आभासी माध्यम से विकास परियोजनाओं की आधारशीला रखते हुए, मोदी ने यह आरोप भी लगाया था कि 'कांग्रेस किसी भी तरीके से हिन्दू समाज में आग लगाए रखना चाहती है। वह इसी फार्मूले पर चल रही है।' वाकई कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दल अपनी जीत के लिए इसी प्रकार के जातीय विभाजन और गठजोड़ के बेमेल समीकरण बिठाते रहे हैं। मायावती, लालू, मुलायम और नीतीश कुमार ने यही किया। अब कांग्रेस अपनी जीत का आधार इसी फार्मूले को बना रही है। वर्तमान में कांग्रेस इस हद तक गिर गई है कि न तो उसे सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की चिंता है और न ही सनातन परंपरा और मूल्यों की ? कांग्रेस के राहुल गांधी को याद होना चाहिए कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल 2011 की जनगणना के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक और जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन 1931 में अंग्रेजी शासनकाल में हुई जातिवार जनगणना में 4,147 जातियां थीं, जबकि 2011 में यह संख्या बढ़कर 86.80 लाख से भी ज्यादा हो गई थी। जातियों में इस अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी और अन्य अनियमितताओं के कारण मनमोहन सिंह सरकार और फिर बाद में मोदी सरकार ने इसके आंकड़ों को जारी नहीं किया। मुस्लिम धर्म के पैरोकार यह दुहाई देते हैं कि इस्लाम में जाति प्रथा की कोई गुंजाइश नहीं है। जबकि एम एजाज अली के मुताबिक मुसलमान भी चार श्रेणियों में विभाजित हैं। उच्च वर्ग में सैयद, शेख, पठान, अब्दुल्ला, मिर्जा, मुगल, अशरफ जातियां शुमार हैं। पिछड़े वर्ग में कुंजड़ा, जुलाहा, धुनिया, दर्जी, रंगरेज, डफाली, नाई, पमारिया आदि शामिल हैं। पठारी क्षेत्रों में रहने वाले मुस्लिम आदिवासी जनजातियों की श्रेणी में आते हैं। अनुसूचित जातियों के समतुल्य धोबी, नट, बंजारा, बक्खो, हलालखोर, कलंदर, मदारी, डोम, मेहतर, मोची, पासी, खटीक, जोगी, फकीर आदि हैं। मुस्लिमों में ये ऐसी प्रमुख जातियां हैं जो पूरे देश में लगभग इन्हीं नामों से जानी जाती हैं। इसके अलावा देश के राज्यों में ऐसी कई जातियां हैं जो क्षेत्रीयता के दायरे में हैं। जैसे बंगाल में मंडल, विश्वास, चौधरी, राएन, हलदार, सिकदर आदि। यही जातीयां बंगाल में मुस्लिमों में बहुसंख्यक हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में मरक्का, राऊथर, लब्बई, मालाबारी, पुस्लर, बोरेवाल, गारदीय, बहना, छप्परबंद आदि। उत्तर-पूर्वी भारत के असम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर आदि में विभिन्न उपजातियों के क्षेत्रीय मुसलमान हैं। राजस्थान में सरहदी, फीलबान, बक्सेवाले आदि हैं। गुजरात में संगतराश, छीपा जैसी अनेक नामों से जानी जाने वाली बिरादरियां हैं। जम्मू-कश्मीर में गुज्जर, बट, ढोलकवाल, गुडवाल, बकरवाल, गोरखन, वेदा (मून) मरासी, डुबडुबा, हैंगी आदि जातियां हैं। इसी प्रकार पंजाब में राइनों और खटीकों की भरमार है। इसके आलावा मुसलमानों में सिया, सुन्नी, अहमदिया, उईगर और रोहिंग्या जैसे बड़े समुदाय भी हैं। कुछ भिन्नताओं के चलते इनमें आपस में खूनी संघर्ष भी छिड़ा रहता है। इतनी प्रत्यक्ष जातियां होने के बावजूद मुसलमानों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि ये जातीय दुष्चक्र की गुंजलक में नहीं जकड़े हैं। दरअसल जाति-विच्छेद पर आवरण कुलीन मुस्लिमों की कुटिल चालाकी है। इनका मकसद विभिन्न मुस्लिम जातियों को एक सूत्र में बांधना कतई नहीं है। गोया, ये इस छद्म आवरण की ओट में सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर एकाधिकार रखना चाहते हैं। जिससे इनका और इनकी पीढ़ियों को लाभ मिलता रहे। 1931 में हुई जनगणना में बिहार और ओड़ीसा में मुसलमानों की तीन बिरादरियों का जिक्र है, मुस्लिम डोम, मुस्लिम हलालखोर और मुस्लिम जुलाहे। बाकी जातियों को किस राजनीतिक जालसाजी के तहत हटाया गया, इसकी पड़ताल होनी चाहिए ? यदि ऐसा होता है तो वास्तविक रूप से मुसलमानों में आर्थिक बद्हाली झेल रही जातियों को सरकारी लाभ योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा ? वृहत्तर मुस्लिम समाज सामान्य तौर से यह जताता है कि इस्लाम में जाति व्यवस्था नहीं है। इस भ्रम के जरिए मुसलमानों में जातीय कुचक्र को अब तक छिपाया जाता रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इसे कानूनी कसौटी पर परखने का फैसला लिया है। दरअसल मुसलमानों में जातियां तो हैं, लेकिन दस्तावेजों में उनके लिखने का प्रचलन नहीं है। मुसलमानों में यह उदारता कुटिल चतुराई का पर्याय है। यह जांच नौकरियों में आरक्षण का लाभ लेने के सिलसिले में की जाएगी। अदालत का कहना है कि जब सरकारी रिकॉर्ड में जाति के आधार पर प्रमाणीकरण ही न किया गया हो तो फिर आरक्षण का लाभ कैसे मिल रहा है ? जब कोई व्यक्ति सरकारी दस्तावेजों में जाति या उपजाति का उल्लेख ही नहीं कर रहा है, तो उसे पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति अथवा जनजाति के कोटे में आरक्षण का लाभ कैसे मिल सकता है ? आरक्षण की व्यवस्था में वही व्यक्ति आरक्षण का लाभ उठाने का पात्र है, जिसे निर्धारित व्यवस्था के तहत आरक्षण पाने के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। नौकरी या शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आरक्षण प्राप्त करने के लिए आवेदक द्वारा जाति प्रमाण-पत्र लगाना अनिवार्य है। बावजूद इसके कई बार संबंधित विभाग या राज्य सरकारों की 'जाति जांच समिति' परीक्षण करके ज्ञात करती है कि वास्तव में आवेदक आरक्षित वर्ग या जाति से है अथवा नहीं ? इसी प्रकृति का एक मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में आया था। जुवेरिया रियाज अहमद शेख बनाम महाराष्ट्र सरकार नाम से पंजीबद्ध इस मामले में अदालत ने 7 अप्रैल 2022 को दिए आदेश में कहा था कि, 'मुसलमानों के रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख नहीं करने की प्रथा को कानूनी तौर पर परखने का निर्णय तब लिया, जब याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि कुछ प्रासंगिक दस्तावेजों में याचिकाकर्ता के रिश्तेदारों की जाति का उल्लेख नहीं होने के कारण को जातीय जांच का आधार नहीं बनाना चाहिए था, क्योंकि बॉम्बे हाईकोर्ट के कई पूर्व फैसलों में कहा जा चुका है कि मुसलमानों में जाति का उल्लेख करने का प्रचलन नहीं है। इस दलील के समर्थन में इसी हाईकोर्ट के 4 फरवरी 2021 और 22 दिसंबर 2020 के दो पूर्व फैसलों को बतौर उदाहरण पेश किया गया था, कि मुसलमानों के संबंध में यह तय कानूनी व्यवस्था है कि उनमें जाति प्रमाण-पत्रों में जाति का उल्लेख करने का प्रचलन नहीं है। यहां सवाल उठता है कि जब जाति ही सुनिश्चित नही तो जातिगत आरक्षण कैसे दिया जा सकता है ? आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था में मुसलमानों को अनुसूचित जाति वर्ग में आरक्षण नहीं मिलता है। उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में ही आरक्षण का लाभ मिलता है। दरअसल केंद्र की ओबीसी सूची में 'मुसलमान' जैसा कोई शब्द दर्ज नहीं है। लेकिन 'बुनकर' शब्द उल्लेखित है। बुनकरों में हिंदू और मुसलमान दोनों ही शामिल हैं। लिहाजा बुनकर मुस्लिम हैं तो उन्हें जाति प्रमाण-पत्र मिल जाता है। हालांकि अपवादस्वरूप मुसलमान जाति का जिक्र करते हैं। इनमें मोमिन और जुलाहा जैसे जाति समुदाय शामिल है, इन्हें ओबीसी का जातीय प्रमाण-पत्र मिल जाता है। लेकिन बड़ा विषय यही है कि यदि सरकारी रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख नहीं है, तो फिर जातीय प्रमाण-पत्र कैसे मिल सकता है ? जातिगत आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। अतएव आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से पीछे रह गईं जातियों को आरक्षण का लाभ इसलिए दिया जाता है, जिससे वे संविधान के समानता के सिद्धांत का लाभ उठाकर अन्य जातियों के बराबर आ जाएं। बावजूद आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सका ? क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती तब तक पिछड़ी या निम्न जाति या मुसलमान अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता ?

प्रमोद भार्गव,लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं ।

शराब कारोबारी के हौसले बुलंद,जमकर हो रही ओवररेटिंग

प्रिंट रेट से चालीस रुपए अधिक वसूलने पर पत्रकार ने की शिकायत

बागेश्वर(उद संवाददाता)। यू तो आबकारी विभाग द्वारा शराब की कीमतों से कम रेट में शराब बेचने का दावा किया जा रहा है परंतु गरुड़ सहित अन्य स्थानों पर जमकर शराब मनमाने दामो पर बेची जा रही है।वहीं बिना किसी के भय के धड़ल्ले से इस तरह शराब की ओवर रेटिंग होने से आबकारी और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान उठने लगे है। जहां दीपावली में जमकर शराब की विक्री हुई वहीं शराब तस्करो द्वारा गांव-गांव तक शराब की विक्री करने की चर्चाए सुनाई दे रही है। वही अब शराब कारोबारी ग्राहकों से मनमाना दाम वसूलने में लगे हुए हैं। ताजा वाक्या गरुड़ की अंग्रेजी शराब की दुकान का है जहां शराब की दुकान में एक अध्धे में प्रिंट रेट 330 है जबकि ग्राहक से 40 रुपए अधिक 370 तक वसूली की गई।ग्राहक द्वारा इस पर सवालिया निशान उठाते हुए मनमाना दाम नहीं देने पर अभद्रता करने, ग्राहकों को ऑनलाइन पेमेंट रसीद नहीं मिलने, सभी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त नहीं होने, सेल्समैनो द्वारा सरकारी मशीनरी से मिलीभगत कर नियमों की अनदेखी करने के आरोप ग्राहकों द्वारा लगाए जा रहे है। वहीं एक स्थानीय पत्रकार द्वारा भी शिकायत की पुष्टि के लिए रिपोर्टिंग की, इस दौरान सेल्स मैन द्वारा ओवर रेटिंग के बारे में जानकारी लेने और बिना ओवर रेटिंग शराब नहीं देने की बात कही जिसके बाद मजबूरन स्थानीय पत्रकार द्वारा गूगल पे से ओवर रेट में बेची जा रही शराब का भुकतान करने के बाद ही ग्राहक को शराब दिया गया। शराब के सेल्समेंन द्वारा खुलेआम नियमों की अवहेलना करते हुए ग्राहक से प्रिंट रेट से अधिक दाम वसूलने पर भी शिकायत करने की बात को अनुज्ञापी के विक्रेता द्वारा अनसुनी कर कुछ नहीं कर पाने की बात कहते हुए इसे अनसुना कर दिया। ग्राहक ने मेकडाल व्हिस्की हाफ पर 330रुपए प्रिंट रेट होने और अधिक दाम पर गूगल पे से वसूले जाने की शिकायत आबकारी विभाग से की है।वहीं पुलिस,जिला प्रशासन के खिलाफ भी नाराजगी जताते हुए सिस्टम द्वारा शराब बेचने वालों द्वारा खुलेआम दबँगई करने, शराब विक्रेताओं के साथ मिलीभगत कर ऑनलाइन रमन्ने के बाद भी शराब कि दुकान से मनमाने तरीके से चोरी छिपे बिना रमन्ने के बियर बारों को शराब बेचने के आरोप लगाए है। वहीं शराब विक्रेताओं द्वारा किसी व्यक्ति के नाम पर दुकान आवंटन कराकर केवल कागजों में ही अनुज्ञापी बनाकर दुकानों का संचालन शराब कारोबार से जुड़े अवैध कारोबारियों और सेल्समैन द्वारा संचालित किए जाने के भी ग्राहकों ने आरोप लगाए है।वहीं विभिन्न स्थानों में एजेंटो के माध्यम से अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर आबकारी विभाग और पुलिस द्वारा नकेल नहीं कसे जाने, मिलीभगत होने से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद होने से शराब माफियाओ को किसी भी प्रकार की कार्रवाई का भय भी नहीं होने संरक्षण मिलने की भी लोगों द्वारा चर्चा की जा रही है। ग्राहकों ने इस दीपावली पर शराब की विक्री बढ़ने से अवैध रूप से भी शराब कारोबार करने वालों पर नकेल नहीं कस पाने के पीछे के कारणों की जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से जाँच की मांग की है।व्यसन मुक्त समाज के संयोजक एडवोकेट डीके जोशी ने इसे जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी लापरवाही, और मिलीभगत बताते हुए ग्राहकों के साथ किए जा रहे खिलवाड़ को जल्द रोकने की मांग की है।वहीं सरकार द्वारा एक तरफ नशामुक्ति अभियान चलाए जाने और दूसरी तरफ जिम्मेदार अधि कारियों की अनदेखी से अवैध शराब के कारोबारियों पर कार्रवाई नहीं होने जबकि पुलिस द्वारा छोटे छोटे दुकानदार या ग्रामीण क्षेत्रों में केवल गरीब लोगों पर कार्रवाई होने और बड़े तौर पर अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर शिकंजा नहीं कसने से पुलिस और आबकारी विभाग की कार्रवाई पर भी सवालिया निशान उठने लगे है। ग्राहक दिनेश सिंह ने गरुड़ अंग्रेजी शराब की दुकान से मेकडाल कंपनी का हाफ खरीदने पर प्रिंट रेट से ऊपर शराब बेचने के आरोप लगाते हुए पूर्व में भी अनुज्ञापी के खिलाफ लोगों की शिकायतों के बाद पुलिस प्रशासन, आबकारी विभाग द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाते हुए कई बार नाबालिकों को भी शराब की विक्री करने, रसूख दिखाते हुए कई बार ग्राहकों से बत्तमीजी करने, जिम्मेदारो द्वारा खुलेआम संरक्षण मिलने से शराब कारोबारियों और शराब माफिया के हौसले बुलंद होने के आरोप लगाए हैं। समाजिक कार्यकर्ता दिनेश सिंह नरेंद्र सिंह पूरन सिंह बसंत पांडे गोपाल सिंह सहित अन्य लोगों ने खुलेआम आबकारी नियमों की धज्जिया उड़ाने वालों के खिलाफ जिलाधिकारी से मामले की जाँच कराकर आबकारी विभाग और पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के लिए चेकिंग अभियान चलाने की मांग की है।वहीं आबकारी निरीक्षक ने मामले में जाँच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

वृद्धा का शव मिलने से सनसनी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पिछले कई वर्षों से निकटवर्ती ग्राम मोतीनगर स्थित कुष्ठ आश्रम निवासी भीख मांग कर अपना गुजर बसर कर रही एक वृद्धा का शव रेल पटरी किनारे पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम हाउस भिजवाया। बताया जाता है कि मृतका का बेटा देहरादून में परिवार के साथ रहता है और हल्द्वानी में वृद्ध मां को भीख मांग कर जीवन व्यतीत करना पड़ रहा था। भीख मांगते वक्त वह ट्रेन की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलने पर बेटे ने यहां आकर मां का अंतिम संस्कार किया। मिली जानकारी के अनुसार 85 वर्षीय हंसी देवी पत्नी स्व. धन सिंह बिष्ट, मोतीनगर स्थित कुष्ठ आश्रम में कई सालों से जीवन व्यतीत कर रही थीं। वह भीख मांग कर अपना गुजर-बसर करती थीं। गत एक नवंबर दिन शुक्रवार को वह कुष्ठ आश्रम से भीख मांगने निकली। लेकिन लौट कर वापस आश्रम नहीं पहुंची। गत दिवस गौजाजाली स्थित जीवनदान अस्पताल के पास लोग रोज की तरह मार्निंग वॉक पर निकले तो रेलवे पटरी किनारे झाड़ियों में वृद्धा का शव पड़ा देखा। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मंडी चौकी पुलिस ने मृतका की शिनाख्त के प्रयास किए और शिनाख्त न होने पर शव को मोर्चरी में रख दिया गया। एसआई बबीता ने बताया कि वृद्धा के पास एक थैला मिला है, जिसमें कुछ पन्नियां और एक मग था। खोजबीन करने पर वृद्धा की शिनाख्त हंसी के तौर पर की गई। पता लगा कि उसका एक बेटा भी है, जो परिवार के साथ देहरादून में रहता है। जानकारी मिलने पर बेटे ने यहां पहुंचकर मां के शव का अंतिम संस्कार किया।

स्कूल और कालेजों में छेड़छाड़ पर अब शिक्षक होंगे बर्खास्त

देहरादून। प्रदेश के सरकारी स्कूल, कॉलेजों में छात्राओं से छेड़छाड़ के मामलों को देखते हुए सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। इस तरह के प्रकरणों को रोकने के लिए एसओपी तैयार की जा रही है। शिक्षा महानिदेशक झरना कमठान के मुताबिक ऐसे प्रकरणों में शिक्षकों को अब तक निलंबित किया जाता रहा है लेकिन जांच के बाद यदि मामला सही पाया गया तो अब उन्हें बर्खास्त किया जाएगा। प्रदेश के बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के तहत 16500 से अधिक स्कूल, कालेज हैं। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में कुछ विद्यालयों में शिक्षकों के छात्राओं के साथ छेड़छाड़ के प्रकरण सामने आ रहे हैं। इसके अलावा शिक्षक के स्कूल में नशा करने या फिर नशा करके आने की शिकायतें भी विभाग को लगातार मिल रही हैं। जिसे देखते हुए सरकार गंभीर है। इस तरह के शिक्षकों और कर्मचारियों को अब बर्खास्त किया जाएगा। अल्मोड़ा जिले के एक सरकारी स्कूल में हाल ही में इस तरह के मामले आने के बाद संबंधित अतिथि शिक्षक की सेवा समाप्त कर दी गई हैं। जबकि नियमित शिक्षकों के मामले में भी अब इस तरह की कार्रवाई होगी। शिक्षा महानिदेशक झरना कमठान के मुताबिक शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद इसके लिए एसओपी तैयार की जा रही है। प्रारंभिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा निदेशक इसके लिए एसओपी तैयार कर रहे हैं। एसओपी तैयार किए जाने के बाद प्रस्ताव को कैबिनेट में लाया जाएगा।

निकाय चुनाव के लिए आरक्षण के प्रारूप का इंतजार

देहरादून। उत्तराखंड के 102 नगर निकायों के चुनाव की अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होने पर संशय पैदा हो गया है। निकायों के ओबीसी सर्वेक्षण की रिपोर्ट तो मिल गई थी, लेकिन निकायों में ओबीसी आरक्षण की नियमावली पर मुहर नहीं लग पाई। लिहाजा, आरक्षण का फार्मूला लागू न होने के चलते राज्य निर्वाचन आयोग अधिसूचना जारी नहीं कर पाएगा। एकल सदस्यीय समर्पित आयोग ने नगर निकायों की रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। बाद में एक अनुपूरक रिपोर्ट भी सौंपी गई थी। उधर, ओबीसी आरक्षण को लेकर गठित प्रवर समिति ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए निकाय चुनाव को हरी झंडी दे दी थी। निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए शासन ने नियमावली तैयार की थी, जिस पर अभी निर्णय नहीं हो पाया है। वैसे लक्ष्य था कि अक्तूबर के आखिरी सप्ताह में आरक्षण की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी डीएम के स्तर से फार्मूले के हिसाब से पदों का आरक्षण जारी करते हुए आपत्तियां मांगी जाएंगी, जिसे अंतिम रूप देने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा। फिर निर्वाचन आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। चूंकि प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई, इसलिए 10 नवंबर को निकाय चुनाव की अधि सूचना पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। प्रदेश के 102 में से 99 नगर निकायों की वोटर लिस्ट तैयार हो चुकी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार का कहना है कि बाकी निकायों की वोटर लिस्ट का काम भी आठ नवंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रदेश में करीब 30 लाख मतदाता हैं। आयोग ने चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है।

छठ पूजा घाटों में तैयारियों का किया निरीक्षण

किच्छा(उद संवाददाता)।भाजपा के वरिष्ठ नेता समाजसेवी संजीव कुमार सिंह एवं सामाजिक कार्यकर्ता वीरेंद्र वर्मा ने छठ पर्व को देखते हुए आज किच्छा के छठ घाटों का भ्रमण किया व छठ घाटों पर सुरक्षा, प्रकाश, साफ सफाई तथा अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के सन्दर्भ में उपजिलाधिकारी किच्छा से वार्ता की तथा सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता से दूरभाष पर वार्ता कर के उनसे छठ घाटों पर स्वच्छ जल प्रवाह सुनिश्चित कराने के बारे में कहा। भाजपा नेता संजीव सिंह ने कहा कि आगामी छठ पर्व की तैयारी नगर के पूर्वांचल समाज द्वारा जोर-शोरों से की जा रही है जिसके लिए उन्होंने एवं सामाजिक कार्यकर्ता वीरेंद्र वर्मा द्वारा छठ पूजा के लिए तैयारी का निरीक्षण किया तथा जहां-जहां भी छठ घाट में कमियां है पाई गई उन्हें दूर करने का अवकाश घोषित करने की मांग की गई है ताकि पूर्वांचल के सभी लोग छठ पूजा को संपन्न कर सकें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में क्षेत्र के युवा उप जिलाधि

प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि उनके द्वारा उत्तराखंड सरकार के मुखिया पुष्कर सिंह धामी से भी छठ पर्व पर कारी कौस्तुभ मिश्र से भी वार्ता की गई तथा उनसे मांग की गई की शासन प्रशासन की और से भी छठ घाटों को दुरुस्त करने तथा छठ घाटों में स्वच्छ जल की आपूर्ति करने हेतु संबंधित को आदेशित करें उन्होंने बताया कि उप जिलाधिकारी ने छठ पूजा संपन्न करने के लिए जो भी आवश्यकताएं होगी शासन प्रशासन द्वारा उन्हें पूरा किए जाने का आश्वासन दिया है उन्होंने कहा कि इस समय क्षेत्र में सैकड़ो छठ घाट हैं जिनकी साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था मरम्मत आदि का कार्य किया जाना अति आवश्यक हो गया है उन्होंने कहा कि किसी भी छठ घाट पर कोई कमी ना रह जाए इसके लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर अवसर पर वीरेंद्र वर्मा, धनञ्जय सिंह, विशाल चौहान, मुन्ना चौबे, ब्रह्मानंद पुरोहित, नवीन सिंह, संदीप सिंह, संजय आदि लोग उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

खाई में गिरी बस...हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। अल्मोड़ा के जिलाधिकारी आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही हादसे के असल कारणों का पता चल सकेगा। सूचना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर भेजी गई है, सभी घायलों का रेस्क्यू किया जा रहा है। उधर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मार्चुला में हुई बस दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम और राज्यपाल ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

दुकान में भड़की आग... रविवार देर रात करीब एक बजे सिटी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। दुकान के दोमंजिले पर रहने वाले किरायेदार ने जब आग से हुए ब्लास्ट की आवाज सुनी तब जाकर आग का पता लगा। आपकी लपटों के कारण दुकानों के शटर अंगारे हो गए थे। किराएदार ने पड़ोसियों, फायर बिग्रेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल वाहन सूचना के करीब एक घंटे बाद पहुंचा। जिस वजह से आग विकराल रूप ले चुकी थी। दमकल वाहन में पानी की कमी के कारण दूसरा वाहन बुलाया गया। जो तकनीकी खराबी के कारण पानी की बौछार नहीं कर सका। जिस वजह से आसपास के लोगों ने फायर सिस्टम की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। इस दौरान लपटें काफी तेज होने से आस पास की बस्ती में भी दहशत फैल गई। फायर बिग्रेड वाहन खराब होने पर लोगों ने नगर पालिका विभाग से पानी का टैंकर मंगाया। इसके बाद सरफराज राजू, रेहान अंसारी, मुकेश सक्सेना आदि आसपास की बस्ती के लोगों ने बाल्टियों से पानी की बौछार की। लेकिन आग पर काबू नहीं हो सका। कोतवाल प्रकाश सिंह दानू, एसआई सुरेंद्र बिष्ट घटनास्थल पर जमे रहे। कोतवाल पर प्रकाश दानू ने नानकमत्ता के दिवाली मेले में सुरक्षा की दृष्टि से तैनात फायर ब्रिगेड वाहन को बुलाकर आग पर काबू कराया। दुकान स्वामी सिराज अहमद, मिराज अहमद ने बताया कि आग से लाखों की क्षति हुई है।

खाई में गिरा ट्रक..टिहरी गढ़वाल द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि एक ट्रक उत्तरकाशी से ऋषिकेश की ओर आते समय प्लास्डा बायपास रोड थाना नरेंद्रनगर के पास ब्रेक फेल होने के कारण खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है जिसमें 1 महिला, 2 बच्चे एवं 2 व्यक्ति (मूल निवासी नेपाल) सवार थे । उक्त घटना में एक महिला, 2 बच्चे और ड्राइवर ट्रक से कूद गए थे जिनकों हल्की चोटे आई हैं जबकि परिचालक ट्रक के साथ ही खाई में गिर गया। एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुँचकर खाई में उतरकर उक्त परिचालक को बाहर निकालकर सरकारी अस्पताल नरेंद्रनगर लाया गया जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में चार लड़कों ने दोस्तों के साथ घर में घुसकर तीन बहनों और उनके परिजनों की पिटाई दी। अगले दिन रिपोर्ट लिखवाने जा रहीं बहनों को घर के गेट पर फिर से पीट दिया। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया है। शिवनगर निवासी उपासना ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि 31 अक्तूबर की आधी रात को अमरपाल, पवन, विपिन और शेर सिंह ने अपने दोस्तों के साथ उनके घर के दरवाजे पर गालीगलौज करते हुए डंडे मारे। जब वे घर से बाहर नहीं आए तो आरोपी जबरन घर में घुस गए। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। एक नवंबर की सुबह वे मामले की रिपोर्ट लिखाने के लिए घर से निकले थे। उन्होंने आरोपियों से उनके खिलाफ रिपोर्ट लिखाने थाने जाने की बात कही थी। इस पर आरोपियों ने गेट पर ही उनके साथ दो बहनों मीरा व पूजा के साथ मारपीट की। आरोपियों ने रिपोर्ट लिखाने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चार नामजद और अज्ञात पर केस दर्ज किया है।

परिवार को नींद की गोलियां खिलाकर पत्नी जेवर और नकदी लेकर फरार

काशीपुर। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर खाने में नींद की गोली मिलाकर देने और घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात व 40 हजार रुपये चोरी कर ले जाने का आरोप लगाया है। ग्राम बांसखेड़ा निवासी व्यक्ति ने आईटीआई थाना पुलिस में तहरीर सौंपी। बताया कि उसकी शादी ग्राम बरखेड़ा पांडे निवासी एक युवती से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद उसकी पत्नी का व्यवहार बदलने लगा। वह आए दिन उससे किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा करने लगी। आरोप लगाया कि जब वह उसे समझाता तो कहती थी कि उसकी शादी उसकी मर्जी के बिना हुई है और वह किसी अन्य युवक से प्यार करती है। पीड़ित व्यक्ति ने बताया दो बच्चे होने के बावजूद भी उसकी पत्नी का व्यवहार नहीं बदला। उसके अनुसार बीती 16 अक्टूबर की रात उसकी पत्नी ने खाने में नींद की गोली मिलाकर पूरे परिवार को खिला दी। इससे सभी गहरी नींद में सो गए। इस बीच उसकी पत्नी ने अपने तीन भाइयों की मदद से घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, जरूरी कागजात, 40 हजार रुपये की नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने कहा यह घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है।

गुलदार का शव मिलने से मचा हड़कंप

हरिद्वार। हरिद्वार के धनौरी क्षेत्र के शमशान घाट के करीब एक खेत में संदिग्ध अवस्था में एक गुलदार का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वनकर्मियों ने गुलदार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन रेंजर विनय राठी ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है। मामले की जांच की जा रही है। गुलदार के मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम शुरू कर दिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि गुलदार की प्राकृतिक मौत है या ये किसी आपराधिक गतिविधि का परिणाम है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। घटना के बाद से वन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
05944-246817

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

नानकमत्ता मेले में पहुंच रहे लाखों श्रद्धालु

बंदी छोड़ दिवस व दीपावली पर हुआ मेले का आगाज,लाखों की संख्या में उत्तराखण्ड ,पंजाब और यूपी से पहुंच रहे श्रद्धालु

-अनिल सागर-

नानकमत्ता। गुरूद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब की पवित्रता एवं मान्यता का वर्षो पुराना इतिहास है। बंदी छोड़ दिवस व दीपावली पर हर वर्ष यहां विशाल मेले का आयोजन किया जाता है कि जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है। मेले में बाजार सजता है बच्चों के लिए झूला, सर्कस, मौत का कुंआ जैसे मनोरंजन के साधन होते है। गुरूद्वारा प्रबंध कमेटी यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था के साथ अन्य जरूरी सुविधाओं जैसे कि पानी, शौचालय, गठरी घर, जोड़ा घर की सेवाएं देती है। पंजाब उत्तराखण्ड के साथ ही यहां लाखों की संख्या में लाल गुरू के अनुयायी भी आते हैं, जिनके लिए रहने व गुरू नानक देव जी का हिन्दी व पंजाबी भाषा में संदेश देने के लिए दीवान भी लगाया जाता है। लाल गुरू के अनुयायी भारी संख्या में दीपावली की पूर्व संध्या में यहां पहुंच जाते है, जो कि बरेली, बदायू, एटा, इटावा, शाहजहांपुर, पीलीभीत, लखीमपुर , मुरादाबार व रामपुर से आते है। गुरूद्वारा कमेटी द्वारा दस दिवसीय मेंला का आयोंजन किया जाता है लेकिन प्रमुख मेला 3 दिन लगता है कि जो कि 3 नवम्बर को समाप्त हो गया, लेकिन संगत 15 दिन तक मेले में आती है और

गुरू घर का आर्शीवाद लेकर मत्था टेककर प्रसाद चढ़ाती है। **दूध वाला कुंआ की मान्यता** गुरूद्वारा नानकमत्ता साहिब के इतिहास में दूध वाले कुंए की मान्यता भी कम नही है , दूर दराज से गुरूद्वारा साहिब दर्शन करने वाले श्रदालु दूधवाला कुंआ के दर्शन करे बिना बापस नही जाते हैं। दूध वाले कुंए को देखने की श्रद्धालुओं में काफी उत्सकुकता रहती है। दूध वाले कुंए के पास गुरूद्वारा साहिब दुध वाला भी स्थापित है। जिसकी सेवा कारसेवा डेरा नानकमत्ता के संत बाबा देखते है। कारसेवा द्वारा यहां दिवंगत संतों के नाम सें एक अस्पताल भी चलाया जाता है।

बाऊली साहिब का इतिहास: गुरूद्वार साहिब से कुछ ही दुर स्थित फाबडी गंगा जिसे बाऊली साहिब के नाम से जाना जाता है, नानकसागर डैम के अन्दर बना कुंआ जो कि डैम निर्माण के दौरान बना था, इस कुंए को देखने के लिए श्रद्धालुं व पर्यटक काफी संख्या में आते हैं। नानक सागर डैम के बीच बने इस कुंए की मान्यता भी कम नही है, यहां लाल गुरू के अनुयायी अपने बच्चों का मुन्डन कराते है, हर वर्ष दीपावली पर कई हजारों की संख्या में श्रदालुं यहां अपने बच्चों को मुन्डन कराकर अपने बच्चों की सुखी जीवन की कामना करते है।

400 वर्ष पूर्व गुरू नानक देव जी ने पीपल साहिब के पेड़ के नीचे आसन जमाया था

नानकमत्ता। श्री गुरू नानक देवी जी ने पवित्र स्थल पर प्रचार यात्रा के दौरान 400 वर्ष पूर्व गुरू नानक देव जी ने पीपल साहिब के पेड़ के नीचे अपना आसन जमाया था, बताते हैं कि इस स्थान पर कई सिद्ध व योगी रहा करते थे, तब गुरू नानक साहिब ने उपदेश दिया था कि किरत करो नाम जपा,बांट कर छको का संदेश घर-घर तक पहुंचा दो तब गुरू नानक देव जी ने पीपल साहिब के अलावा बाउली साहिब, दूध वाला कुंआ पर भी अपने दर्शन दिए थे। गुरूद्वारा साहिब में पीपल साहिब के पेड़ की मान्यता भी कम नही है, जो भी श्रद्धालु या संगत आती है, अपनी मनोकामना के लिए पीपल साहिब में दीप जलाकर व नमक व झाड़ू चढ़ाकर मन्नतें मांगते हैं, बताते हैं कि जब गुरू नानक देव जी यहां आएं थे , तब पीपल का पेड़ सूखा था, तब से पीपल साहिब हरा भरा हो गया, पीपल साहिब का इतिहास भी वर्षो पुराना है। बंदी छोड़ दिवस व दीपावली पर लगने वाले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पंजाब , उत्तराखण्ड के साथ ही यूपी के कई जिलों से यहां आते हैं।

मेले को व्यवस्थित तरीके से चलाने में रणजीत सिंह की अहम भूमिका

गुरूद्वारा। गुरूद्वारा कमेंटी के अकाउटेंट रणजीत सिंह राणा जिन्हें संगत राणा के नाम से जानती है, वैसे तो इनकी जिम्मेंदारी काफी अहम है, डिजिटर दुनिया में कम्पयुटर से लेकर हर छोटी बड़ी जिम्मेंदारी को अपने ही अंदाज में बखुबी निभाते है। उनके कार्य करने की क्षमता व अनुभव मेंले में काफी अहम रोल निभाता है।

कई वर्षो से गुरूद्वारा की व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं रणजीत सिंह

नानकमत्ता। गुरूद्वारा साहिब कमेटी प्रबंधक रणजीत सिंह जो कि पिछले कई वर्षों से गुरूद्वारा की व्यवस्थाओं व देखरेख करते आ रहें है। उनके नेतृत्व में कई मेंलों का आयोजन हो चुका है, लेकिन वर्तमान में नई चुनातियों के बीच लाखों की संख्या में आने वाली संगत के लंगर की व्यवस्था मेंला का संचालन करना बड़ी चुनोती है, जिसको उन्होंने बखुबी निभाया है।

गुरूद्वारा महासचिव ने प्रधान के साथ कदम से कदम मिलाया

नानकमत्ता। गुरूद्वारा प्रबंध कमेटी के महासचिव स0 अमरजीत सिंह जो कि इससे पूर्व आयोंजित मेंले में भी सक्रिय थे, इसलिए उन्होंने प्रधान जोगेन्द्र सिंह संधू के साथ कदम से कदम मिलाकर अपने पिछले अनुभव के साथ ही संगत की सेवा से जुड़े हर बिदु पर सहमति के साथ निभाया, बिना किसी विवाद के लिए कमेटी का संचालन और मेंला का शांतिपूर्ण व सही तरीके से चालाना प्रधान व महासचिव की जोड़ी का ही कमाल है।

संगत की सेवा के लिए हर समय तैयार रहते हैं प्रधान जोगेंद्र सिंह संधू

नानकत्ता। गुरूद्वारा साहिब के कमेटी के प्रधान जोगेन्द्र सिंह संधू कमेटी के प्रधान बनने के लिए अपनी जिम्मेंदारी से पीछे नही हटे, गुरूद्वारें के सभी धार्मिक कार्यक्रम के साथ अन्य दिनों में उनका सेवा समर्पण भाव कभी कम नही हुआ , उन्होंने प्रधान की जिम्मेंदारी के कुछ ही दिनों बाद कर्मचारियों की सैलरी बढाने के साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण किया, उनके कार्यकाल में कैदी रिहाई दिवस एंव दीपावली मेंला भी व्यवस्थित तरीके से चला।

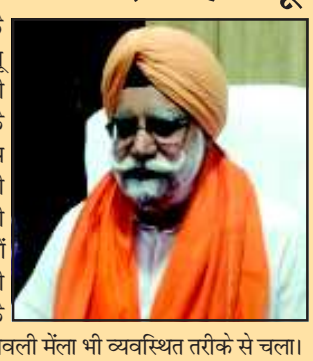

संगत की हर जरूरी सेवा के लिए तत्परता से जुटे हैं सुखवंत सिंह भुल्लर

नानकमत्ता। गुरूद्वारा कमेटी के अकाउंटेंट सुखवंत सिंह भुल्लर जो कि गुरूद्वारा को लेखा जोखा तो देखते ही है, लेकिन इसके अलावा संगत की हर जरूरी सेवा के लिए तत्परता से कार्य करते है, उनकी कार्य करने की शैली सभी को भाति है तो वही उनके सुझाव मेंल को व्यवस्थति रूप से चलाने में उनकी सहभागिता कम नही है। वह अपनी जिम्मेंदारी से ज्यादा आगे कार्य करने की सोचते है।